Department of Hindi

BA (Hons.) Hindi

Category-I

हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)
Core Course - (DSC)-1
कोर कोर्स 1

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : आदिकाल एंव निर्गुण भक्तिकाव्य	कोर कोर्स (DSC) 1	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विषिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेष – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विषिष्ट उपलब्धि है।

Unit 1 (15 घंटे)

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानबेध समय
कवित्त (10–11)

- प्रथम मुक्कि दरबार। लज्ज संर सुरतानी।।

.....

किहि थांन लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि।।

बानबेध समय
दूहा (20–33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज।।

.....

प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह् हथ्थ।।

- चवै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान।।

दे कमान चौहान कौं। साहि दियै कछु दान।।

बानबेध समय

पद्धरी (50–53)

- संगहें पान कम्मान राज। उभ्भरे अंग अंतर विराज।।

.....

निसुरत्ति आनि दिय साहि हथ्थ। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्थ।।

बानबेध समय

कवित्त (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर।।

.....

श्रृगांर वीर करूना विभछ। भय अद्भुत इसंत सम।।

Unit 2 (15 घंटे)

विद्यापति – सं. डॉ. षिवप्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद)

वंषी माधुरी

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

.....

वन्दह नन्दकिसोरा।।

रूप वर्णन

- देख–देख राधा–रूप अपार

.....

करू अभिलाख मनहि पद–पंकज अहोनिसि कोर अगोरि।

पद–14

- चाँद–सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे।

.....

रूप नरायन ई रस जानथि सिबसिंघ मिथिला भूपे।

पद–24

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

.....

रूपनरायन जाने।।

Unit 3 (15 घंटे)

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास
(नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)

साखी : गुरूदेव कौ अंग – 1 से 16 तक
विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45
पद संख्या – 378,400

Unit 4 (15 घंटे)

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यष गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)
Core Course - (DSC)-2
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	कोर कोर्स (DSC) 2	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विष्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्वति

Unit 1 (15 घंटे)

हिंदी साहित्य : इतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल–विभाजन एंव नामकरण

Unit 2 (15 घंटे)
आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांकृतिक परिवेष और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3 (15 घंटे)

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्षनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4 (15 घंटे)

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेष, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृतियाँ

1. रीतिबद्व और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिषाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेष गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्षन – नलिन विलोचन षर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3

10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods
असाइनमेंट
इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी कहानी
Core Course - (DSC)-3
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कहानी	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
कहानी विष्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विष्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार
Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय
कहानी लेखन और प्रभाव का विष्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विष्लेषण की समझ

Unit 1 (15 घंटे)

उसने कहा था – गुलेरी
पंच परमेष्वर – प्रेमचंद

Unit 2 (15 घंटे)
तीसरी कसम – रेणु
चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3 (15 घंटे)

वारिस – मोहन राकेष
वापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4 (15 घंटे)
दोपहर का भोजन – अमरकान्त
घुसपैठिए – ओमप्रकाष वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरष मिश्र
हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीषंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेष
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाषित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोष

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Common Pool of Generic Elective (Courses) offered by Department of Hindi
Category-IV

हिंदी का वैष्विक परिदृष्य

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का वैष्विक परिदृष्य	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा.कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन
- विश्व की प्रमुख भाषाओं से विद्यार्थी का परिचय कराना
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा की स्थिति और स्वरूप से विद्यार्थी का परिचय कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

Course learning outcomes

भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा

• स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा

• वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1 (15 घंटे)

- विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचय ;मंदारिन, अंग्रेज़ी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसीए जापानी

- वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

Unit 2 (15 घंटे)

- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
- हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
- विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3 (15 घंटे)

- किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट.प्रस्तुति
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
- विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4 (15 घंटे)

- विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
- विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फ़िल्में, गीत, संकलन
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

References

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
- हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
- मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
- रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मिश्र)बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट
Keywords
पारिभाषित शब्दावली
Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी सिनेमा जगत की जानकारी
सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course learning outcomes

हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ
सिनेमा निर्माण, प्रसार कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1 (15 घंटे)

सिनेमा : सामान्य परिचय
1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा,
2. सिनेमा की इतिहास यात्रा
3. सिनेमा के प्रकार – व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

Unit 2 (15 घंटे)
सिनेमा अध्ययन
1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय बाज़ार
3. हिंदी सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3 (15 घंटे)

सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक
1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3. सिनेमा और सेंसरबोर्ड

Unit 4 (15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन की दिषाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, अमर अकबर एंथनी, पीकू, मधुमती)
3. सिनेमा के दृष्य, तकनीक, कहानी, स्पेषल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा

References

1. फिल्म निर्देषन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेष्वर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाषन विभाग
7. हिंदी सिनेमा का समाजषास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विष्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विष्लेषण

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
अनुवाद की समझ विकसित करना
व्यावहारिक और क्षेत्र विषेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course learning outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी
क्षेत्र विषेष की माँग से परिचित होगें

Unit 1 (15 घंटे)

भारत का भाषायी परिदृष्य और अनुवाद का महत्व
अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2 (15 घंटे)
प्रयुक्ति की आवधारणा
अनुवाद और विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3 (15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार –1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
सर्जनात्मक साहित्य
ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य

Unit 4 (15 घंटे)
अनुवाद व्यवहार 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
जनसंचार
प्रषासनिक अनुवाद और बैकिंग अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र
अनुवाद के सिद्धांत – रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) – हेमचन्द्र पाण्डेय
कार्यालय प्रदीपिका – हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेष सिंहल
काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल
कोष विषेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेष कांति वर्मा
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेष कांति वर्मा
The theory and practice of Translation – Nida E.
Language, Structure & Translation – Nida E.
Routledge Encyclopedia of Translation – Baker, Mona
Translation Evaluation – House, Juliance
Machine Translation: Its Scope and Limits – Wilks, Vorick
Translation and Interpreting – Baker H.
Revising and Editing for Translators – Mossop B.
Introducing Translation Studies: Theories and applications – Munday J.
The Routledge Companion to Translation Studies – Munday J.
Comprehensive English – Hindi Dictionary – Raghubir
Oxford Hindi – English Dictonary – R.S. Mc Gregor
English- Hindi Dictionary – Hardeo Bahari

Teaching learning process

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
पारिभाषिक शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

बी.ए. आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार
(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 1: (जनसंचार माध्यम)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
जनसंचार माध्यम	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की वृहद जानकारी प्रदान करना।
- जनमाध्यमों के द्वारा भारतीय ज्ञान-परम्परा का प्रसार करना।
- समाज पर प्रिंट- इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के प्रभाव का अध्ययन।
- जनमाध्यमों की कार्यशैली का परिचय कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की तकनीक एवं प्रक्रिया संबंधी समझ विकसित होगी।
- छात्रों के संचार कौशल में वृद्धि होगी।
- सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कार्यों द्वारा रोज़गारपरक संभावनाएँ बढ़ेंगी।
- भारतीय ज्ञान परम्परा की समझ से छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा।

SYLLABUS OF DSC-1

UNIT – I संचार और जनसंचार **(12.5 hours)**

- संचार- अर्थ परिभाषा, महत्त्व, संचार के प्रकार

- जनसंचार - अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, संचार और जनसंचार का अंतर
- संचार की प्रक्रिया एवं प्रतिपुष्टि

UNIT – II जनमाध्यम (12.5 hours)

- जनमाध्यम- अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
- जनमाध्यमों के कार्य, प्रभाव और अपेक्षाएँ
- सामाजिक परिवर्तन और जनमाध्यम

UNIT – III मुद्रित माध्यम (12.5 hours)

- मुद्रित माध्यम - सामान्य परिचय, समाचार पत्र और पत्रिकाओं का स्वरूप
- समाचार संकलन, प्रस्तुति एवं रिपोर्ट-लेखन
- मुद्रित माध्यमों का संगठन एवं स्वामित्व

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (12.5 hours)

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के विविध रूप - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- समाज और संस्कृति के विकास में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भूमिका

Practical component (25 hours)

- किसी विषय/ क्षेत्र से जुड़ी पत्रिका की सामग्री का अध्ययन।
- रेडियो के किसी कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का समीक्षात्मक विश्लेषण।
- ई-पत्र-पत्रिका अथवा न्यूज़ पोर्टल की सामग्री का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का सामाजिक - सांस्कृतिक प्रभाव की दृष्टि से अध्ययन।

Essential/recommended readings

1. इंटरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन

2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, डॉ. संजीव भानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन जयपुर
3. संचार सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, के. एल. पचौरी प्रकाशन
4. पत्रकारिता के विविध रूप, रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
5. समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया, सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान, भारतीय जनसंचार संस्थान प्रकाशन
6. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी, डी. डी. ओझा, ज्ञानगंगा प्रकाशन
7. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, रेमंड विलियम्स, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
8. टेलीविजन की कहानी, श्याम कश्यप और मुकेश कुमार, वाणी प्रकाशन

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 2: हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिंदी पत्रकारिता का इतिहास	**4**	**3**		**1**		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका के प्रति समझ विकसित करना।
- स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के योगदान से अवगत कराना।
- हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न कालखंडों के मूल्यों से परिचित कराना।
- भारतीय बोध के विकास में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व की जानकारी देना।
- भारतीय स्वतंत्रता सेनानी पत्रकारों, साहित्यकारों और संपादकों के अवदान से परिचित कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास एवं विकास के प्रति समझ विकसित होगी।
- आज़ादी की लड़ाई में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित होंगे।
- स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पत्रकारिता में आए मूल्य परिवर्तन से अवगत होंगे।
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से भारतीय बोध का ज्ञान होगा।

SYLLABUS OF DSC- 2

UNIT – I स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पूर्व की भारतीय पत्रकारिता का सामान्य परिचय
- स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका एवं सामाजिक प्रभाव
- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियां

UNIT – II स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता का विकास एवं स्वामित्त्व
- आजादी के बाद जनतंत्र व विकास की चुनौतियां
- आपातकाल : प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सवाल

UNIT – III आपातकाल के बाद की हिंदी पत्रकारिता। (12.5 hours)

- राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की हिंदी पत्रकारिता
- हिंदी पत्रकारिता की समाचार सामग्री

UNIT – IV भूमंडलीकरण के बाद की हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- भूमंडलीकरण और हिंदी पत्रकारिता - हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां एवं ज्वलंत मुद्दे
- हिंदी पत्रकारिता का व्यवसायीकरण - विज्ञापन और पत्रकारिता का संबंध, पेड न्यूज, ब्रेकिंग न्यूज़, इन्फोटेनमेंट
- डिजिटलीकरण, ऑनलाइन हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप

Practical component (25 hours)

- स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका पर रिपोर्ट, फीचर, लेख तैयार करना।

- पत्रकारों, स्वतंत्रता सेनानियों और संपादकों पर रिपोर्ट, लेख, फीचर लेखन।
- स्वतंत्रता सेनानी पत्रकार, संपादकों पर ब्लॉग लेखन, यूट्यूब वीडियो, पॉडकास्ट, वृत्तचित्र तैयार करना।
- प्रेस के संदर्भ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आपातकाल पर परियोजना कार्य।

Essential/recommended readings

1. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम, डॉक्टर वेद प्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर
2. हिंदी पत्रिका का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन
3. भारत में प्रेस, जी. एस. भार्गव, नेशनल बुक ट्रस्ट
4. भारत की समाचारपत्र क्रांति, रॉबिन जेफरी, भारतीय जनसंचार संस्थान
5. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. अम्बेडकर, गांधी और हिंदी दलित पत्रिका, अनामिका प्रकाशन, श्यौराज सिंह बेचैन
7. हिंदी पत्रकारिता और भूमंडलीकरण, विजेंद्र कुमार, नटराज प्रकाशन
8. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
9. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे. नटराजन, प्रकाशन विभाग
10. भारत में जनसंचार, केवल जे. कुमार, जैको पब्लिकेशन हाउस
11. भारत में प्रेस, जी. सी. भार्गव, नैशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 3: भारतीय समाज और संचार

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय समाज और संचार	**4**	**3**		**1**		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय समाज एवं संस्कृति की समझ विकसित करना।
- भारत की दर्शन, धर्म की विरासत से परिचित कराना
- भारतीय साहित्य एवं कला से अवगत कराना।
- भारतीय भाषाओं और भारतीय जनमानस के अंतरसंबंधों की पड़ताल करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारत की सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी।
- छात्रों में भारतीय समाज की संरचना और मूल्य व्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित होगा।
- भारतीय धर्म, दर्शन और कलाओं की विरासत से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत के भाषिक वैविध्य के ज्ञान एवं सौंदर्य से अभिभूत होंगे।

SYLLABUS OF DSC-3

UNIT – I भारतीय समाज (12.5 hours)

- भारतीय समाज का स्वरूप
- भारतीय समाज की मूल्य-व्यवस्था- पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय
- भारतीय समाज की चुनौतियां और संभावनाएं

UNIT – II भारतीय धर्म, दर्शन और संस्कृति (12.5 hours)

- भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएं
- प्रमुख धर्म : सामान्य परिचय
- प्रमुख भारतीय दर्शन

UNIT – III भाषा, साहित्य और कलाएँ (12.5 hours)

- प्रमुख भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- महाभारत और रामचरित मानस का सामान्य परिचय
- प्रमुख कलाएँ : वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत

UNIT – IV संचार की भारतीय परंपरा (12.5 hours)

- लोकगीत, लोककथा

- लोकनृत्य, लोकनाट्य
- पारंपरिक भारतीय जनसंचार (पर्व, मेले, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली आदि)

Practical component (25 hours)

भारतीय धर्म और दर्शन से सम्बंधित महत्त्वपूर्ण ग्रंथों पर रिपोर्ट लेखन

1. किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम की रिपोर्टिंग
2. किसी लोकनाट्य को देखना और उसका समीक्षात्मक लेखन
3. भारतीय समाज की किसी समस्या पर समाधानपरक मौलिक लेख लिखना
4. चयनित विषयों पर समूह चर्चा और परियोजना कार्य
5. प्रमुख कालजयी रचनाओं की प्रासंगिकता पर लेखन/समूह चर्चा
6. लोकनाट्य के रूप में रामलीला और रासलीला का जनसमाज पर पड़ने वाले प्रभाव का सर्वेक्षण एवं लेखन

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादमी
2. भारतबोध का नया समय, प्रो. संजय द्विवेदी, यश प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय कला एवं संस्कृति, वासुदेव शरण अग्रवाल, प्रभात प्रकाशन
4. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
5. मानवमूल्य और साहित्य, धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ
6. संचार और विकास, श्यामाचरण दुबे, प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
7. बुद्धिस्ट कम्युनिकेशन थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन
8. को-कल्चरल थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES OFFERED BY THE DEPARTMENT for HJMC Course

Category - IV

GENERIC ELECTIVES (GE-1) संस्कृति, साहित्य और मीडिया

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
संस्कृति, साहित्य और मीडिया	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया की आपसी समझ विकसित करना।
- भूमंडलीकरण के पश्चात मीडिया में आए बदलावों की समीक्षा करना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों संबंधी मीडिया कवरेज का अध्ययन कराना।
- विभिन्न भारतीय परिवेश, कल्चर, सत्ता एवं राजनीति की समझ पैदा करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय पत्रकारिता के परिवेश की समझ विकसित होगी।
- समाज के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विचारों के प्रति समझ विकसित होगी।
- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया के अंतरसंबंधों की समझ विकसित होगी।

SYLLABUS OF GE-1

UNIT – I संस्कृति अर्थ व अवधारणा (12.5 hours)

- संस्कृति की अवधारणा, सभ्यता और संस्कृति
- लोक संस्कृति, पॉपुलर कल्चर, संस्कृति और सत्ता, संस्कृति और राजनीति
- संस्कृति और हाशिये का समाज, इन्टरनेट और सूचना संस्कृति

UNIT – II प्रिंट मीडिया और साहित्य (12.5 hours)

- हिन्दी साहित्य और पत्रकारिता का अन्तर्संबंध
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में साहित्य की स्थिति
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों का परिचय

UNIT – III हिन्दी मीडिया और संस्कृति (12.5 hours)

- मीडिया और संस्कृति के अन्तर्संबंध
- मीडिया का बाजार और संस्कृति
- विज्ञापन का सांस्कृतिक वर्चस्व और भाषायी संकट

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और साहित्य (12.5 hours)

- रेडियो और टेलीविज़न के साहित्य आधारित कार्यक्रम
- साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपान्तरण
- साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ एवं साहित्यिक वेबसाइट्स

Practical component (25 hours)

- लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव का सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- साहित्य आधारित किन्हीं दो फिल्मों का अध्ययन व उनकी समीक्षा
- साहित्य आधारित किसी टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों की सूची व उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य
- फिल्म पूरब-पश्चिम, मदर इंडिया, परदेश, मशाल, पेज-थ्री, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी आदि का समीक्षात्मक विश्लेषण

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन
2. मानव और संस्कृति, श्यामाचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत, प्रहलाद अग्रवाल, साहित्य भंडारी
4. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन
5. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन
6. मीडिया में सामाजिक लोकतंत्र की तलाश, श्यौराज सिंह बेचैन, अनामिका प्रकाशन
7. संस्कृति, जनसंचार और बाज़ार, नन्द भारद्वाज, सामयिक प्रकाशन

GENERIC ELECTIVES (GE-2) फोटो पत्रकारिता

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
फोटो पत्रकारिता	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- फ़ोटो पत्रकारिता की समझ विकसित करना।
- व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान देना।
- फ़ोटोग्राफ़ी के रचनात्मक पहलुओं का ज्ञान कराना।
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों में फ़ोटो के उपयोग एवं महत्त्व से अवगत कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- फ़ोटो पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा।
- छात्रों में रोज़गार उन्मुख कौशल विकसित होगा।
- छात्र विषय, माध्यम एवं प्रकृति के अनुरूप फ़ोटोग्राफ़ी सम्बन्धी तकनीकी कौशल विकसित होगा।
- छात्र 'प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में फ़ोटो शूट प्रविधि में प्रशिक्षित होंगे।

SYLLABUS OF GE-2

UNIT – I फोटो पत्रकारिताः परिचय (12.5 hours)

- फोटो पत्रकारिता का स्वरूप एवं फोटो पत्रकार के गुण
- फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांत
- फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र एवं संभावनाएँ

UNIT – II फोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष (12.5 hours)

- फोटो शूट प्रविधि - प्रकाश - व्यवस्था स्टूडियो के अंदर और बाहर
- फोटोग्राफी : कैमरा, सम्पादन, स्पैशल इफेक्ट्स
- शॉट्स के प्रकार - रोल कैमरा, फ्रेम, शॉट, कैमरा एंगल, वाइड शॉट, लॉन्ग शॉट, मिड शॉट, क्लोज शॉट, डिजीटल कैम क्लोज अप शॉट, एक्सट्रीम क्लोजअप शॉट, टू, शॉट, ओवर द शोल्डर शॉट, मूबिंग शॉट, रिवर्स शॉट, ट्रैकिंग शॉट, जूम शॉट पेन शॉट, टिल्ट शॉट, टिल्ट एड पैन शॉट, लो एंड हाई एगल शॉट स्टॉक शॉट प्वाइंट ऑफ व्यू फेरिंग

UNIT – III फोटोग्राफी का रचनात्मक पक्ष (12.5 hours)

- फोटोग्राफी का कलात्मक रूप
- फोटोग्राफी रिसर्च एवं समीक्षा
- फीचर, समाचार, रिपोर्ताज और डॉक्यूमेंट्री में फोटोग्राफी का महत्त्व

UNIT – IV फोटोग्राफी का क्षेत्र और संपादन (12.5 hours)

- विभिन्न माध्यमों के लिए फोटोग्राफी
- फोटोग्राफी के प्रकार
- फोटोग्राफी और वीडियो सम्पादन

Practical component (13- 14 Week)

- खेल या पर्यटन से सम्बंधित 10 फोटो का निर्माण।

- प्रिंट मीडिया के लिए फोटोशूट और कैप्शन तैयार करना।
- आउटडोर शूटिंग और पर्यटन डॉक्यूमेंट्री तैयार करना।
- किसी एक फोटो प्रदर्शनी का भ्रमण और साक्षात्कार के आधार पर एक परियोजना कार्य तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक विषय पर फोटो डाक्यूमेंट्री तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. प्रसारण और फोटो पत्रकारिता, ओम गुप्ता, कनिष्क प्रकाशन
2. संचार और फोटो पत्रकारिता, रमेश मेहरा, तक्षशिला प्रकाशन
3. फोटो पत्रकारिता, नवल जायसवाल, सामयिक प्रकाशन
4. प्रकाश लेखन और फोटो पत्रकारिता, गुलाब कोठारी, पत्रिका प्रकाशन
5. फोटो जर्नलिज्म, बी. के. देशपांडे, सोनाली पब्लिकेशन
6. फोटो जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, पंकज सेठी, नवयुग पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) Hindi

DSC-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।
साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विष्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्‌भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

इकाई–3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई–4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्‌भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिदीं साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

Discipline Specific Core-2
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना
हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई–1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई–2
हिंदी सिनेमा : उद्‌भव और विकास

इकाई–3
सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई–4
नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां
(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्‌ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेष्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : करुणा षंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : कौषल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process
व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods
टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords
सिनेमाई शब्दावली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)

OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
आधुनिक आवष्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) संत–काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952
संत रैदासजी
पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्वनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाषन, दिल्ली, 1998; कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता
– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास
हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :
(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो .....
– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर
– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता
– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ग'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विषेषताएँ
(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :
कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :
–मैया मैं नहिं माखन खायौ .....
– उधोमन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता
(क) बिहारी :
– मेरी भव बाधा हरौ .....
–कनक कनक ते सौंगुनी .....
–कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :
– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....
– सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युग बोध कोठी से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैष्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः षिक्षण में हिंदी कविता छात्रों

के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Pool of Generic Elective Courses

Offered by Department of Hindi

बी.कॉम. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

CATEGORY-IV

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी में रुचि विकसित करना

हिंदी साहित्य एवं प्रमुख साहित्यकारों का परिचय

हिंदी भाषा को समझना और उसके आधुनिक प्रयोग को जानना

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों का अध्ययन

इकाई–1

हिंदी भाषा
(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी की उपभाषाएँ

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वाँ संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17

(ख) मीराबाई की पदावली, संपा. आ. परषुराम चतुर्वेदी; हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; 14वां संस्करण, 1892. सन् 1970 ई.; पद 1, 4, 5, 6

(ग) बिहारी : बिहारी रत्नाकर; संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए.; प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली; सं. 2006; दोहा 381, 435, 438, 439, 491

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– मैथिलीषरण गुप्त : भारत भारती (हमारे पूर्वज अंष)

– जयषंकर प्रसाद : हिंमाद्रि तुंग श्रृंग से

– नागार्जुन : अकाल और उसके बाद

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र

5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. मीरा का काव्य : विष्वनाथ त्रिपाठी
10. प्रसाद का काव्य : प्रेमषंकर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास की समझ विकसित होगी।

प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा के विकास और साहित्य के इतिहास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी का उद्‌भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वां संस्करण; सं. 2049 वि.

– पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.....

– कस्तूरी कुंडलि बसै .....

– यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान .....

– सात समुन्दर की मसि करूँ .....

– साधू ऐसा चाहिए .....

– सतगुरु हमसुँ रीझकर .....

(ख) तुलसी : रामचरितमानस – केवट प्रसंग

इकाई–3

(क) बिहारी

– बतरस लालच लाल की .....

– या अनुरागी चित्त की .....

(ख) भूषण

– इंद्र जिमि जंभ पर .....

– साजि चतरंग सैन .....

इकाई–4

आधुनिक कविता

– जयषंकर प्रसाद : अरुण यह मधुमय देष हमारा

– हरिवंष राय 'बच्चन' : अग्निपथ

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
5. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी कीप्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विषेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

– गुरु गोविन्द दोउ खड़े .....

– निन्दक नियरे राखिए .....

– कबीर संगति साधु की .....

– माला फेरत जुग भया .....

– पाहन पूजै हरि मिले .....

– वृच्छ कबहूँ न फल भखें .....

सूरदास

– मैया मैं नहिं माखन खायो .....

– उधो मन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

बिहारी

– मेरी भव बाधा हरौं .....

– कनक कनक ते सौं गुनी .....

– थोड़े ही गुन रीझते .....

– कहत नटत रीझत खिझत .....

घनानंद

– अति सूधो सनेह को मारग .....

– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

– माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

– धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विकास गुप्ता
REGISTRAR